Title: Problems being faced by the farmers in Madhya Pradesh due to natural calamities.

श्री रामनरेश त्रिपाठी (सिवनी) : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश के अनेक हिस्सों में पाले और ओले से फसलें नट हो गईं विशेा रूप से जबलपुर, नरसिंहपुर और सिवनी जिलों में पाले और ओले से सौ प्रतिशत फसलें नट हुई हैं। बुजुर्ग बताते हैं कि पचास सालों में ऐसा पाला कभी नहीं पड़ा। दोपहर बारह बजे तक बर्फ की तह जमी रही, फसलें दुर्गंध मारने लगीं। उन्हीं जिलों में फिर ओले गिरने प्रारंभ हुए। लगभग हर हफ्ते मौसम बिगड़ता है और ओले गिरते हैं। ओले इतने बड़े-बड़े और अधिक मात्रा में गिरे कि दो दिन तक गले नहीं। किसानों ने बोरों में ओले भर कर और बैलगाड़ी में रख कर तहसील और जिला कार्यालय में दूसरे दिन प्रस्तुत किए। मध्य प्रदेश शासन द्वारा किसानों के नुकसान के आकलन में कोताही बरती जा रही है, भेदभाव बरता जा रहा है, भ्रटाचार किया जा रहा है। अंधा बांटे रेवड़ी चीन्ह-चीन्ह के दे, यह कहावत वहां चरितार्थ हो रही है।

मेरा भारत सरकार से आग्रह है, कृपया प्राकृतिक आपदा कोा से सहायता प्रदान करें। ठीक ढंग से आकलन हो, किसानों को ठीक ढंग से राहत मिले, भारत सरकार ऐसी व्यवस्था करे। जिन गांवों में किसानों की सौ प्रतिशत फसलें नट हो गई, वहां ग्रीमकालीन खाद और बीज का मुफ्त वितरण होना चाहिए, बिजली की आपूर्ति भी सुनिश्चित होनी चाहिए क्योंकि ग्रीमकालीन फसलें बगैर बिजली, पानी के पैदा नहीं हो सकतीं। राहत कार्य प्रारंभ होना चाहिए। किसानों के ऋण का ब्याज माफ होना चाहिए, बिजली का बिल माफ होना चाहिए। वसूली रूकनी चाहिये। मेरा भारत सरकार से आग्रह है कि वह इसमें हस्तक्षेप करे। धन्यवाद।â€¦ (व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, मुझे कल से आपका संरक्षण नहीं मिल रहा है।â€¦ (व्यवधान)